पॉल रोबसन
एक यादगार आवाज़
पैटरिशीया

पॉल रोबसन
अप्रैल 9, 1898 – जनवरी 25, 1976

## न्यू जर्सी में बीता बचपन

पॉल लीरॉय रोबसन का जन्म अप्रैल 9, 1898 को हुआ. तब उनके पिता 53 साल के थे. उनकी माँ मारिया को ठीक से दिखाई नहीं देता था. उन्हें अक्सर सांस लेने में तकलीफ होती थी.

रोबसन दंपत्ति के पहले से ही चार बच्चे थे – बिल जूनियर, रीव, बेन और मरिओन. इसलिए पॉल की देखभाल बड़े भाई और बहन ही करते थे.

पॉल के पिता विलियम रोबसन एक गुलाम पैदा हुए थे. जब वो 15 साल के थे तो वो अपनी मुक्ति के लिए भागे.

सेंट लियूक चर्च का निर्माण 1908 में पॉल के पिता और उनके अनुयायियों ने किया.

उन्होंने बहुत साल कड़ी मेहनत कर पढ़ाई की. फिर उनकी भेंट पॉल की माँ मारिया लौइसे बुस्टिल से हुई. उसके बाद रोबसन दपत्ति, प्रिन्सटन, न्यू जर्सी शिफ्ट हुए. अब तक विलियम रेवरेंड विलियम रोबसन बन चुके थे और वहां उन्हें के चर्च का पादरी बनने के लिए आमंत्रित किया गया. जब वो प्रिन्सटन में रह रहे थे तो रोबसन परिवार के साथ एक बड़ा हादसा घटा.

जनवरी 1904 में एक दिन सुबह-सुबह पॉल की माँ घर की सफाई कर रही थीं. तभी अंगीठी के एक जलते हुए कोयले से उनकी स्कर्ट जल गई. जलने से कुछ घंटों बाद ही उनकी मृत्यु हो गई. उस समय पॉल सिर्फ छह साल का था. इसलिए उसे अपनी माँ के बारे में कुछ ज्यादा याद नहीं रहा. उसके बाद पॉल अपने पिता के बहुत करीब आ गया. पिताजी ने पॉल को एक सबक सिखाया – कभी हार नहीं मानना. “मेरे पिता मेरे जीवन में सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति थे,” पॉल ने बाद में कहा.
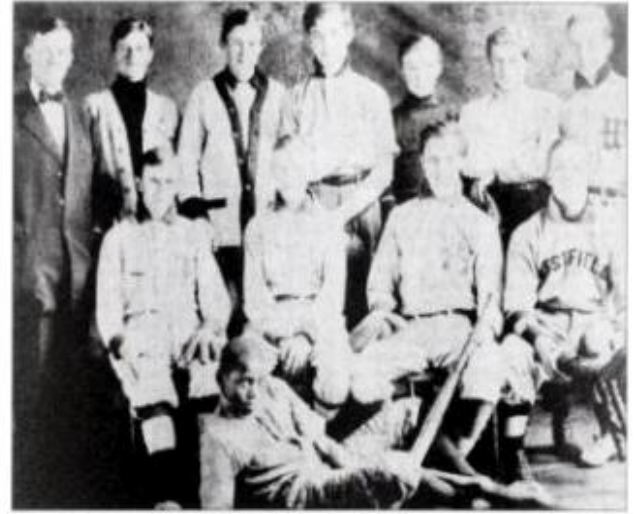
पॉल रोबसन (सबसे आगे) वेस्टफील्ड बेसबॉल टीम के साथ.

रेवरेंड रोबसन प्रिन्सटन में 20 सालों तक एक ही चर्च के पादरी रहे. मारिया की मृत्यु का बाद रेवरेंड रोबसन अन्य चर्चों में गए – पहले वेस्टफील्ड में और बाद में सोमरविल्ले, न्यू जर्सी में.

पॉल हाई-स्कूल और कॉलेज में फ़ुटबाल खेलता था. उस समय खिलाड़ी आज जैसे मोटे कपड़े नहीं पर पतली यूनीफॉर्म पहनते थे.

## रोबसन हार मत मानना!

पॉल ने सोमरविल हाई स्कूल में खेलों और संगीत में अच्छा प्रदर्शन दिखाया. उसने विलियम शेक्सपीअर के मशहूर नाटक ऑथेलो में भी मुख्य रोल अदा किया.

पर एक्टिंग से पॉल को डर लगता था. ऑथेलो में मुख्य भूमिका निभाने के बाद एक्टिंग करने का उसका दुबारा कभी मन नहीं हुआ.

पॉल ने पढ़ाई में बहुत मेहनत की. अपने क्लास में उसके सबसे ज्यादा अंक आते थे. उसका रिजल्ट इतना अच्छा था की न्यू जर्सी का रटगर्स कॉलेज चाहता था की पॉल वहां पर आकर पढ़े.

की क्या वो रटगर्स में खुश रहेगा? पॉल इस बात का अचरज करता था.

पॉल (बाएं से तीसरा) अपनी फ़ुटबाल टीम का स्टार हीरो था. वो पढ़ाई में भी बहुत होशियार था. वो अपने क्लास में टॉप पर था और फाई बीटा कप्पा सोसाइटी का सदस्य था.

पर पूरे रटगर्स में केवल एक अन्य अश्वेत छात्र था. पॉल ने अपने परिवार की राय ली. फिर उसने वहां दाखिला लेने का प्रयास किया.

रटगर्स में पॉल ने फ़ुटबाल टीम में भी शामिल होने की कोशिश की. पर वहां गोरे खिलाड़ी किसी भी अश्वेत को, अपनी टीम में नहीं लेना चाहते थे. उन्होंने पॉल को बहुत परेशान किया. उन्होंने उसे धक्का दिया, उसकी पसलियों तोड़ीं और उसकी उँगलियों को कुचला. अंत में उन्होंने उसकी नाक तोड़ी!

उससे पॉल को बेहद तकलीफ हुई और वो कई दिन पलंग पर पड़ा रहा. वो टीम छोड़ना चाहता था. इस तरह दस दिन बीते. फिर उसे याद आया.

उसके पिता और भाई हमेशा सत्य के लिए लड़ते थे. क्या वो मैदान छोड़ कर भागते? नहीं!

उसके बाद पॉल दुबारा से फ़ुटबाल के मैदान में उतरा. अब जब गोरे पॉल को परेशान करते तो वो उनसे लड़ता. पॉल का गुस्सा बहुत तेज़ था और वो बहुत ताकतवर था!

उसने एक खिलाड़ी को अपने दोनों हाथों से हवा में ऊपर उठाया. वो उसे ज़मीन पर पटकने वाला ही था पर तभी कोच ने चिल्लाकर उसे रोका. पॉल रुका. उसके बाद कोच ने पॉल को टीम में ले लिया.

पॉल एक बहुत अच्छा फ़ुटबाल प्लेयर था. साथ में वो कई अन्य खेल खेलता था. पर वो पढ़ाई पर भी पूरा ध्यान देता था. 1919 में रटगर्स में वो अपने क्लास में सबसे अधिक नंबरों से पास हुआ.

ग्रेजुएशन के समय पॉल खुश भी था और दुखी भी. उसके भाई-बहन उसका भाषण सुनने आये थे. उसके पिता नहीं आ पाए क्योंकि उसके एक साल पहले ही रेवरेंड रोबसन का देहांत हो गया था. पर पॉल को पता था कि पिताजी को उसपर गर्व होता.

रटगर्स में पॉल का भाषण.

पॉल बहुत खुशमिजाज़ था. जब वो अपने दोस्तों को कोई मज़ेदार कहानी सुनाता तो उसकी आँखें चमकने लगतीं. उसे बातें करना पसंद था, और लोग उसे बड़े चाव से सुनते थे.

## मज़े के लिए एक्टिंग

रटगर्स छोड़ने के बाद पॉल ने न्यू-यॉर्क सिटी स्थित कोलंबिया यूनिवर्सिटी में, क़ानून की शिक्षा हासिल की. सप्ताह के अंत में और गर्मियों की छुट्टियों में वो प्रोफेशनल फ़ुटबाल खेलता था.

कोलंबिया में पॉल की भेंट एस्लांडा गूड के साथ हुई. वो भी वहां छात्र थीं. सब लोग उन्हें एस्सी बुलाते थे. वो डॉक्टर बनना चाहती थीं.

जल्द ही पॉल और एस्सी में प्रेम हो गया. अगस्त 1921 में दोनों का राई, न्यू-यॉर्क में विवाह हुआ. पॉल ने 1923 में क़ानून की पढ़ाई ख़त्म की.

1920 में लोग एक अश्वेत व्यक्ति को वकील के रूप में स्वीकारने को तैयार नहीं थे. पर पॉल खुशनसीब था. एक गोरे वकील ने उसे अपने साथ काम करने के लिए आमंत्रित किया.

पॉल को लगा की वहां लोग उसके साथ सभ्यता से पेश आएंगे. पर ऐसा नहीं हुआ. बाकी गोरे वकीलों ने उसके साथ काम करने से इंकार कर दिया. गोरे सेक्रेटरी ने भी उसके साथ काम करने से मना किया. अंत में पॉल ने बॉस ने उससे हार्लेम में एक दफ्तर खोलने को कहा. हार्लेम न्यू-यॉर्क में है और वो पूरी तरह एक अश्वेत बस्ती है.

जब पॉल ने एस्सी को यह सब बताया तो वो बहुत गुस्सा हुई. उसने पॉल से नौकरी छोड़ने को कहा. पॉल छह फीट ऊंचा था. वो बहुत सुन्दर और बलवान था. वो देखने में बिल्कुल एक फिल्म स्टार लगता था. क्यों न तुम एक एक्टर बनने की कोशिश करो?

एस्सी ने पॉल को YMCA द्वारा आयोजित एक नाटक में भाग लेने के लिए कहा. पॉल ने सिर्फ मनोरंजन के लिए उसमें भाग लिया. पर स्कूल के नाटक ने उसे बहुत परेशान किया था जिसे वो अभी भूला नहीं था.

पॉल, कोलंबिया लॉ स्कूल से स्नातक की डिग्री हासिल करने वाला तीसरा एफ्रो-अमेरिकन था.

पॉल को अब एक्टिंग में मज़ा आया. उसका सबसे यादगार रोल द एम्परर जोन्स में है. उसने 1924 में यूजीने ओनील के नाटक में भाग लिया और बाद में उस फिल्म में भी एक्टिंग की.

धीरे-धीरे पॉल एक्टर और गायक के रूप में प्रसिद्ध हुआ.

पॉल ने उस नाटक में बहुत सराहनीय काम किया. उसके बाद वो अन्य नाटकों में भी काम करने लगा. “मुझे पैसे मिल रहे थे ... स्टेज पर चलने, दो लाईनें बोलने के ... या एक-दो गीत, गाने के लिए,” पॉल ने बाद में कहा. “कड़ी मेहनत के बिना ही काम चल रहा था.”

## धूम मचा देने वाली आवाज़!

शुरू में लोगों को इस बात का कोई अंदाज़ नहीं था की पॉल इतना अच्छा गा सकता था. बचपन में उसे अपने पिता के चर्च में धार्मिक गीत सुनना और उन्हें गाना बहुत अच्छा लगता था. वो अक्सर अपने मित्रों के लिए गाता भी था.

एक दिन पॉल को उसके बचपन का दोस्त लॉरेंस ब्राउन मिला. लॉरेंस पियानो बजाता था. पॉल और लौरेंस ने अपने योजना एस्सी को बताई. एस्सी को उनकी योजना पसंद आई इसलिए वो उनकी मदद करने को तैयार हुई.

पॉल अक्सर अपने मित्र लॉरेंस ब्राउन के साथ प्रोग्राम पेश करता था.

पॉल अचरज कर रहा था की क्या लोग उसके गाए धार्मिक गीत सुनने आएंगे. उस रविवार को पॉल को उसका उत्तर मिल गया. 19 अप्रैल 1925 को न्यू यॉर्क का ग्रीनिच विलेज थिएटर खचाखच भरा था. वहां एक भी सीट खाली नहीं थी.

धीरे-धीरे पॉल एक स्टार बन रहा था. उसके चहेते अक्सर उसकी बुलंद आवाज़ की तारीफ करते थे. पॉल की आवाज़ लोगों को हंसाती और रुलाती थी. जब पॉल ने गाना बंद किया तब सब लोगों ने उठकर तारीफ में ज़ोरदार तालियाँ बजायीं.

जब पॉल संगीत के कार्यक्रम देने लन्दन में था तब उसके बेटे पॉल जूनियर का जन्म हुआ. एस्सी ने कहा कि शिशु स्वस्थ्य था क्यूंकि उसकी आवाज़ भी अपने पिता जैसी ही बुलंद थी.

पॉल अभी भी नाटकों में भाग लेता था. जब अप्रैल 1928 में, शो बोट नाम का नाटक लन्दन में दिखाया गया तब पॉल उसका स्टार हीरो था. उसने एक बहुत सशक्त गाना गया "ओल्ड मैन रिवर." बाद में यह उसका विशेष गाना बना.

द एम्परर जोन्स नाटक में पॉल एक कुली से उस टापू का राजा बना.
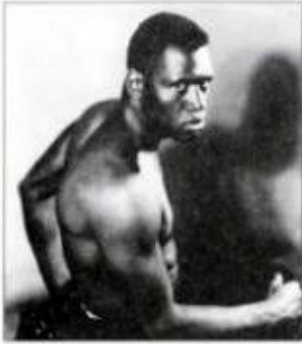
पॉल ने अमरीका और इंग्लैंड में कई नाटकों और फिल्मों में एक्टिंग की.

उसके बाद पॉल से ऑथेलो का रोल निभाने के लिए कहा गया. उसकी पत्नी का रोल एक गोरी एक्ट्रेस ने किया. कई लोगों को काले आदमी और गोरी औरत की एक साथ एक्टिंग पसंद नहीं आई. पर 29 मई 1930 को यह नाटक लन्दन के मशहूर सेवॉय थिएटर में शुरू हुआ.

अमरीका में बहुत से लोगों को पॉल का एक गोरी एक्ट्रेस के साथ काम करना पसंद नहीं आया. 1943 तक पॉल को अमेरिका में ऑथेलो नाटक में किसी भी गोरी एक्ट्रेस के साथ काम करने नहीं दिया गया.

पॉल, विलियम शेक्सपियर के नाटक ऑथेलो में.

## लोगों का हीरो

1930 में एफ्रो-अमेरिकन लोगों को समानता के अधिकार नहीं मिले थे. थिएटर में भी उनके साथ असभ्य व्यवहार होता था. अक्सर अश्वेत लोगों को एक्टिंग का मौका ही नहीं मिलता था. जो भी रोल उन्हें मिलते वे नकारात्मक होते – जिनमें काले लोगों को एकदम बेवकूफ दिखाया जाता था. पॉल कभी भी वैसे रोल स्वीकार नहीं करता था. इसी वजह से रोबसंस अक्सर लन्दन इंग्लैंड, और पेरिस, फ्रांस में रहते थे.

1939 में रोबसंस, अमेरिका में रहने के लिए वापिस आए. तभी दूसरा महायुद्ध शुरू होने वाला था.

पॉल बहुत सफल हुआ. वो जहाँ भी जाता उसके प्रशंसक उसे घेर लेते. वो हमेशा लोगों को अपनी ऑटोग्राफ देता.

जर्मनी में यहूदियों पर ज़ुल्म के खिलाफ पॉल ने अपनी आवाज़ उठाई. उसने कहा की अमेरिका में अश्वेत लोगों के साथ भी लगभग वैसा ही व्यवहार होता था. उसने कहा की अमेरिका को अपने तौर-तरीके बदलने चाहिए और उसे अपने सभी नागरिकों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए.

महायुद्ध के बाद कोई भी अमरीकी जो रूस से दोस्ती की बात करता उसे बहुत मुश्किलें झेलनी पड़तीं. पॉल उनमें से एक था. वो एक नाटक के लिए रूस गया था. वहां लोगों को उसका संगीत बहुत पसंद आया.

1950 में अमरीकी सीनेटर के एक ग्रुप ने कई अमरीकी नागरिकों को कम्युनिस्ट घोषित किया. इसमें पॉल और एस्सी भी शामिल थे. उन्हें कई सवाल पूछे गए. अपने प्रतिरोध में उन्होंने कोई उत्तर नहीं दिया.

उसने कहा, "सोवियत यूनियन में लोगों ने मुझसे इंसान जैसा व्यवहार किया. वैसा ऐसा मेरे साथ अमरीका में नहीं होता है."

अमरीका की सरकार को पॉल की यह बात बिलकुल पसंद नहीं आई. बहुत से अमरीकियों को पॉल एक देशद्रोही लगा. उसके एक शो के बाद भारी दंगे हुए. जो लोग पॉल को सुनने आए थे उनपर कुछ उपद्रवियों ने कांच की बोतलें और पत्थर फेंके. 1950 में अमरीकी सरकार ने पॉल और एस्सी की देश से बाहर जाने पर पाबंदी लगाई. उसके बाद पॉल को किसी नाटक या फिल्म में रोल मिलना भी बंद हो गया.
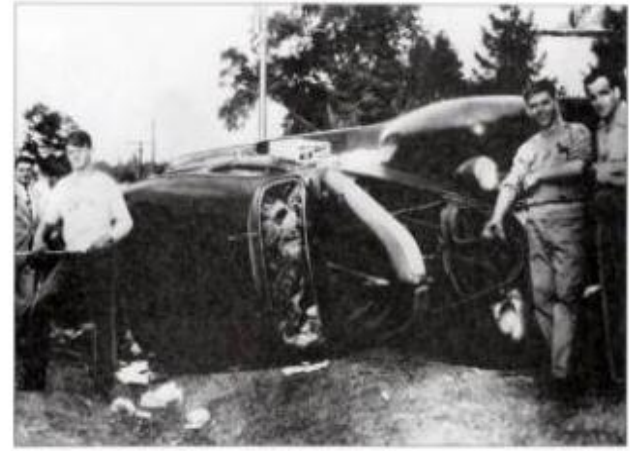
1949 में पॉल और कई अन्य एक्टर्स ने न्यू-यॉर्क में एक शो किया. क्योंकि पॉल नागरिक अधिकारों की बात उठाता था इसलिए कुछ लोगों को पॉल एक देशद्रोही लगा. इन लोगों ने श्रोताओं पर हमला किया. खुद पॉल मुश्किल से बचा.

फिर भी पॉल ने हार नहीं मानी. वो अपने और अन्य लोगों के अधिकारों के लिए लड़ता रहा.

"मैं सिर्फ एक बात चाहता हूँ – अमेरिका अपने सभी नागरिकों के साथ समान व्यवहार करे," पॉल ने कहा. पॉल ने मैदान नहीं छोड़ा. उसने सत्य के लिए अपनी आवाज़ उठाई. कुछ लोग पॉल से प्रेम करते थे तो कुछ नफरत. वो दुनिया में तमाम लोगों के लिए एक हीरो था.

पॉल ने संगीत, एक्टिंग और नागरिक अधिकारों के लिए आवाज़ उठाने के लिए दुनिया में कई पुरूस्कार जीते. 1960 में पूर्वी जर्मनी के प्रैसिडेंट से वो "स्टार ऑफ़ फ्रेंडशिप" अवार्ड स्वीकार कर रहा है.

फिर 1958 में पॉल और एस्सी ने एक महत्वपूर्ण केस जीता. एक जज ने उन्हें देश से बाहर यात्रा करने की इजाज़त दी. उसके बाद उन्होंने अमरीका छोड़ दिया. वे सोवियत यूनियन, लन्दन और पेरिस में रहे. पॉल ने पूरी दुनिया में अपने शो दिखाए. पर उसके बाद उसने अमेरिका में कोई शो नहीं किया.

1963 में रोबसंस, अमेरिका वापिस आए. अमेरिका भी बदल रहा था. उसके दो साल बाद एस्सी का देहांत हो गया. फिर पॉल बहुत अकेलापन महसूस करने लगा. उसके बाद से उसने गाना और एक्टिंग करना बंद कर दिया. पर वो अंत तक समान अधिकारों के लिए अपनी आवाज़ उठाता रहा.

जनवरी 1976 में पॉल रोबसन का देहांत हुआ. हार्लेम में हजारों लोग उसे आखरी श्रंद्धांजलि देने के लिए आए. बहुत से लोग पॉल रोबसन को एक महान गायक और एक्टर मानते हैं. बाकी लोग उसकी हिम्मत की दाद देते हैं. उसने तब सभी लोगों के लिए समान अधिकारों की लड़ाई लड़ी जब बाकी लोग ऐसा करने से डरते थे.

# समय रेखा

| | |
|---|---|
| 1898 | 9 अप्रैल को प्रिन्सटन, न्यू-जेर्सी में जन्म |
| 1919 | रटगर्स कॉलेज से स्नातक |
| 1921 | एस्लांडा (एस्सी) गुड से शादी |
| 1923 | कोलंबिया यूनिवर्सिटी लॉ स्कूल, न्यू-यॉर्क से कानून की पढ़ाई |
| 1925 | लन्दन में *द एम्परर जोन्स* का पहला शो |
| 1930 | लन्दन में *शो बोट* |
| 1943 | ब्रॉडवे में *ऑथेलो* का शो |
| 1940s | मानव अधिकारों के लिए आवाज़ उठाई जिससे सरकार गुस्सा हुई |
| 1950 | अमरीका से बाहर यात्रा पर पाबन्दी |
| 1958 | कोर्ट ने विदेश यात्रा की अनुमति दी अंतर्राष्ट्रीय टूर के लिए रवाना |
| 1963 | अमरीका वापसी |
| 1976 | 25 जनवरी को देहांत |